



भारत का राजपत्र The Gazette of India

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

21/3/88

मं० 35] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26, 1988/अर्द्धायण 5, 1910
No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26, 1988 AGFAHAYANA 5, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग
आदेश

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1988

आ. अ. 107.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की साणी के मसूमा (2) में दथानिनिष्ट लोकसभा/उप निर्वाचन के लिए
जा मसूमा (3) में विनिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र में हुआ है, मसूमा (4) में उसके सामने विनिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अम्मी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,
1951 तथा तखीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त साणी के मसूमा (5) में दथा उपरिनिष्ठ रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा रीति
में तमा समय के अन्दर और रीति से दाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अधिनियमों में सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया देया उनके द्वारा
दिए गए अध्यावधनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास उक्त असफलता के लिए कोई
व्यक्तिगत कारण या आधारित्य नहीं है;

अतः अतः, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम को धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की साणी के मसूमा (1) में विनिष्ट व्यक्तियों को समद के किसी
भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के मसूमा नूने जाने और होने के लिए इस आदेश की मारीख में तीन वर्ष की
के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

नाम से निर्वाचन का विवरण	लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र की क्रम सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा-दाखिल करने में असमर्थ रहने का कारण
1	2	3	4
1. लोक सभा का उच्च निर्वाचन 1988 गुजरात	18-गोधरा	श्री मर्चेंट बाबूभाई सद्गुरुदास आराम-राम, हनुमान बाजार, दोहद (गुजरात)	[संख्या 76/गुजरात/88(1) (लो.स.)] प्रादेश से, डी. सी. निवास, अवर सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 7th November, 1988

O.N. 107.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the Bye-election to the Lok Sabha as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge any account of his election expenses in the manner and within the time and in the manner as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder ;

And, whereas, the said candidate has not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representation made by him if any, is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a Member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order :—

TABLE

Sl. Particulars of election No.	S. L. No. & Name of the Parliament constituency	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification.
1	2	3	4
1. Bye-Election to the Lok Sabha, 1988.	18—Godhra	Sh. Merchant Babubhai Saburdas Atmaran, Hanuman Bazar, Dohad, (Gujarat.)	Failed to lodge any account of election expense.

[No. 76/GJ/88(1) (HP)]

By Order,

T.C. SINGHAL, Under Secy.

प्रादेश

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1988

अतः अ. 108.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार राज्य में 1985 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन में 198-हिल्सा से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री भूषण प्रसाद सिंह नांक-शतधर कोणवत, बाया हिल्सा, नालन्दा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विषयक नए नियमों द्वारा अंशित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असमर्थ रहे हैं।

और उक्त अभ्यर्थी ने समस्त सूचना दिए जाने पर या उक्त असफलता के लिए न तो कोई कारण प्रस्तुत करवाया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके नाम उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है।

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-अ के अनुसार यह घोषणा करता है कि भूषण प्रसाद सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए प्रादेश का नागरिक से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरस्त घोषित करना है।

[सं. 76/बिहार-वि.स./88]

ORDERS

New Delhi, the 7th November, 1988

O.N. 108.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhushan Prasad Singh, Vill. P. O. Korawan, via Hilsa, Nalanda a contesting candidate for the General Election to Bihar Legislative Assembly, 1985, from 198-Hilsa in the State of Bihar

has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder :

And, whereas the said candidate has neither furnished any reason nor explanation for the said failure even after due notice and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure :

Now, therefore, in pursuance of section 10-A of the said Act, the Election Commission hereby declares said Shri Bhushan Prasad Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

[No. 76]BR-LA[88]

आ. आ. 109-निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में दिये विनिर्दिष्ट पश्चिम बंगाल विधान सभा के साधारण निर्वाचन 1987 के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उनके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्याश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा संबंधित बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में दया वगैरह करने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अथवा अपना लेखा समर्थ के अंतर्गत और/अथवा अपेक्षित रीति में दाखिल करने में असफल रहा है :

और उक्त अर्थाथों ने सम्बन्ध सूचना दिए जाने पर भी, उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के परवर्त्त निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्याख्यान नहीं है :

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-अ के अनुवर्ग में नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और इसे के लिए आदेश का तत्काल में कोल धर्म की आवश्यकता के लिए निर्दिष्ट घोषित करता है।

सारणी

कसं	निर्वाचन का विवरण	विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की क्रम संख्या और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशी का नाम, निरक्षरता का कारण और पता	
1	2	3	4	5
1.	पश्चिम बंगाल विधान के लिए साधारण निर्वाचन, 1987	25-सलिगुड़ी	श्री नाथ हंकारनाथ, हजराबाड़ी ओले, डा. घर : खारीबाड़ी, जिला : दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल।	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
2.	-वही-	-वही-	श्री सुभाष मुखर्जी, ए. पी. सी. सारनी, डाक घर : सिलिगुड़ी-4, पश्चिम बंगाल।	-वही-
3.	-वही-	26-फलिमदेव (अ. ग. ज.)	श्री ओरीन सतूराम, एन. बी. सू. गेट नं. 1, बोर्ड आफिस के समीप, डाक घर : एन. बी. सू., जिला दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल।	-वही-
4.	-वही-	93-स्वच्छनगर	श्री सत्येन्द्र नाथ मंडल, डाक घर और पोस्ट चर्चापुर, जिला उत्तर 24-परगना, पश्चिम बंगाल।	-वही-

[सं. 76/र व. वि. स/88]

आदेश से,

सचिवता मि. प्र. म. चिथ

O.N. 109:—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the general election to West Bengal Legislative Assembly, 1987 as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and or in the manner, as shown in column (5) of the said Table, required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representation made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	Particular of election	S. No. & Name of Assembly Constituency	Name & Address of contesting candidates	Reasons for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General election to West Bengal Legislative Assembly, 1987.	25—Siliguri	Shri Nath Tankanath, Hawdavia Jote, P. O. Kharibari, Distt. Darjeeling, West Bengal.	Failed to lodge any account of election expenses.
2.	-do-	-do-	Shri Rupa'k Mukherjee, A.P.C. Sarani, P.O. Siliguri-4, West Bengal.	-do-
3.	-do-	26—Phansidewa (ST)	Shri Oraon Maturam, N.B.U. Gate No. 1, Near Board Office, P.O. N.B.U., Distt. Darjeeling, West Bengal.	-do-
4.	-do-	93—Swarupnagar	Shri Satyendra Nath Mandal, P.O. & Vill. Chandipur, Distt. North 24—Parganas, West Bengal.	Failed to lodge an account in the manner required by law.

[No. 76/WB—LC/88]

By Order,

BAIWANT SINGH, Under Secy.

अवैध

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1988

आ. अ. 110.—भारत निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि श्री नारायण देव, गांव सोबिपुर, डा. घ. पानी चौकी बाजार, उत्तर त्रिपुरा जो त्रिपुरा विधान सभा के लिए 51-कटिकेश्वर विधान सभा निर्वाचन-क्षेत्र से हुए साधारण निर्वाचन में अभ्यर्थी थे, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा लट्डीस बनाए गए नियमों द्वारा यथा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और, श्री नारायण देव, ने सम्यक सूचना दिया जाने पर भी उक्त असफलता के लिए कोई कारण या स्पष्टीकरण नहीं बिदा गया है, और

निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्याख्यान नहीं है,

अतः अब निर्वाचन आयोग, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में श्री नारायण देव को संसद के किसी भी सदन में या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरस्त घोषित करता है।

[सं. 76/त्रिपुरा/88/461]

ORDERS

New Delhi, the 7th November, 1988

O.N. 110.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Narayan Deb, Village-Govindpur, P.O.-Pani Chowki bazar, North Tripura a contesting candidate for the general election to Tripura Legislative Assembly from 51-Fatikroy assembly constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, Shri Narayan Deb has not furnished any reason or explanation for the said failure even after due

notice and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares Shri Narayan Deb to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

[No. 76/TP/88/461]

आ.प्र. 111.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट मेघालय विधान सभा के निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उनके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तत्सम बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा दक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण प्रस्तुत नहीं किया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्याख्यास्थि नहीं है;

अतः, अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसार में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य के चुने जाने और होने के लिए आदेश को पारोक्ष से नोन व्यय की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्र.सं.	निर्वाचन का विवरण	निर्वाचन-क्षेत्र की सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निरर्थता का कारण
7.	मेघालय विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1988	8-महाभाटी (अ.प्र.जा.)	श्री ओरिस्टर ग्यांगकनी, बी.पी.ओ. थोखमथावोन ग्राम-म्यानसेन, री मोई जंगल, मेघालय।	विधि द्वारा अपेक्षित रीति से लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
8.	-वही-	30-रोल्ता (अ.प्र.जा.)	श्री के. मेधीकरजरी महलकानूम ग्राम डा. घ. बाबा वेरापूजी, मेघालय।	अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे।

[सं 76/मिथा./88/453]

एम. डी. प्रसाद, अवर सचिव

O.N. 111:—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the Legislative Assembly of Meghalaya as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	Particulars of election	No. & Name of constituency	Name of contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
7.	General election to the Meghalaya Legislative Assembly, 1988.	8—Mawhati (ST)	Shri Orister Syngkli, B.P.O. Bhoilymbong, Village—Mynsain, Ri-bhoi Sub-Division, Meghalaya.	Failed to lodge the account in the manner required by law.
8.	-do-	30—Shella (ST)	Shri K. Medhi Waryri, Laitkynsew Village, P.O. Via-Cherrapunjee, Meghalaya.	Failed to lodge any account of election expenses.

[No. 76/MEG/88/453]

By Order,
S.D. PERSHAD, Under Secy.